කැලණිය විශ්වවිද්‍යාලය - ශ්‍රී ලංකාව

දුරස්ථ සහ අඛණ්ඩ අධ්‍යාපන කේන්ද්‍රය

ශාස්ත්‍රවේදී (සාමාන්‍ය) උපාධි ප්‍රථම පරීක්ෂණය (බාහිර) - 2011
2013 මැයි - අගෝස්තු

මානවශාස්ත්‍ර පීඨය

හින්දී - HIND – E 1025

අර්ථාවබෝධය හා ප්‍රකාශන ශක්‍යතාව

ප්‍රශ්න සංඛ්‍යාව : 05 යි. කාලය : පැය 03 යි.

ප්‍රශ්න සියල්ලට ම පිළිතුරු සපයන්න.
सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

---

01. निम्नलिखित शीर्षकों में से किसी <u>एक</u> पर लगभग <u>डेढ़ पृष्ठों</u> का निबंध हिंदी में लिखिए। (20 अंक)

i. मेरा प्रिय व्यक्ति
ii. सिंहली नव वर्ष
iii. वृक्षों का महत्व

02. (i.) निम्नलिखित <u>गद्यांश अथवा पद्यांश</u> का सिंहली में अनुवाद कीजिए। (10 अंक)

(क) चंदनपुर नामक एक गाँव था। उस गाँव में सभी जाति के लोग रहते थे। वे खेती–पाती करके अपना पेट भरते थे। कुछ लोग शहर की तरफ़ मज़दूरी करने के लिए चले जाते थे और शाम को लौटते थे। इसी गाँव में एक परिवार था। उसमें केवल तीन प्राणी थे–एक बुढ़िया, उसकी लड़की जानकी और बहू चंपा। बुढ़िया का लड़का मर चुका था। इसलिए बुढ़िया दिन –रात अपने लड़के की याद करती रहती थी। बुढ़िया अपनी बेटी जानकी और बहू चंपा से खेती का काम अधिक लेती थी। शायद इसका कारण यह था कि बुढ़िया शरीर से बहुत कमज़ोर थी।

अथवा

(ख) आओ हम हो जाएँ एक
जो बनकर फूलों का राजा
सब रंगों—गंधों का राजा
सारी बगिया को महकाएँ
ऐसा फूल खिलाएँ एक!

जिससे मन का मैल मिटे सब
जिससे दुख की रात कटे सब
मिलकर प्रेम—प्यार का ऐसा
चंदा गढ़कर लाएँ एक!

जिससे भेद—भाव सब भूलें
होकर एक फलें और फूलें
समता की मज़बूत नींव पर
ऐसा देश बनाएँ एक!

(ii.) निम्नलिखित गद्यांश का हिंदी में अनुवाद कीजिए। (10 अंक)

එක්තරා ගම්මානයක ගොවියෙක් විය. ඔහුගේ ගෙමිදුලෙහි විශාල බෝ ගසක් තිබුණි. එම ගස සිටුවා තිබුණේ ඔහුගේ සීයා විසිනි. විශාල බෝ ගසේ සෙවණ ඇතට පැතිරෙයි. සීතල බෝ සෙවණෙහි ගොවියා තම දිවා කාලය ගත කරයි. මෙම ගස යට විවේක ගැනීමට ඔහු බෙහෙවින් ප්‍රිය කරයි. ඔහු ඉතා ආත්මාර්ථකාමී පුද්ගලයෙකි. මෙම ගසේ සෙවණෙහි වාඩි වීමට කවුරු හෝ පැමිණි කල එම ගොවියා ඔහු වහාම පන්නා දමයි.

බෝ ගස - पीपल का पेड़

03. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए और पूछे गये प्रश्नों के उत्तर अपनी हिंदी में लिखिए। (20 अंक)

प्राचीन काल में हस्तिनापुर नामक एक प्रसिद्ध राज्य था। यहाँ का राजा शांतनु बड़े प्रतापी थे। उनके तीन पुत्र थे– देवव्रत, चित्रांगद और विचित्रवीर्य। देवव्रत ने प्रतिज्ञा की थी कि मैं विवाह नहीं करूँगा। मैं अपनी प्रतिज्ञा पर अटल रहूँगा। इस भीषण प्रतिज्ञा के कारण ही उनका नाम भीष्म पड़ा।

शांतनु की मृत्यु होने पर विचित्रवीर्य गद्दी पर बैठे। उनके दो पुत्र हुए–धृतराष्ट्र और पांडु। धृतराष्ट्र जन्म से अंधे थे। अतः विचित्रवीर्य के बाद गद्दी पर पांडु बैठे। धृतराष्ट्र के पुत्र कौरव कहलाये और पांडु के पांडव। पांडव पाँच थे–युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव।

एक समय की बात है। पांडु अपनी पत्नी कुंती और माद्री के साथ वन में घूमने गये थे। उन दिनों हस्तिनापुर का राजकाज धृतराष्ट्र देख रहे थे। वन में ही पांडु की मृत्यु हो गयी।

दुर्योधन धृतराष्ट्र का सबसे बड़ा पुत्र था। वह अपने को ही राज्य का अधिकारी समझता था। पांडु की मृत्यु होने पर दुर्योधन को भय लगा कि पांडव कहीं गद्दी का हक न माँगने लगें। वह स्वभाव से भी बड़ा कुटिल था। पांडव सरल, नम्र और सदाचारी थे। वे कौरवों से बल और बुद्धि में भी बढ़कर थे। भीम तो बहुत बली थे।

i. हस्तिनापुर राज्य के राजा कौन थे? (02 अंक)
ii. उन राजा के कितने पुत्र थे और वे कौन–कौन थे? (02 अंक)
iii. देवव्रत ने कौन–सी प्रतिज्ञा की? (02 अंक)
iv. शांतनु की मृत्यु होने पर कौन गद्दी पर बैठे ? (02 अंक)
v. धृतराष्ट्र और पांडु किनके पुत्र थे? (02 अंक)
vi. पाँच पांडव कौन–कौन थे? (02 अंक)
vii. पांडु की मृत्यु कहाँ हुई? (02 अंक)
viii. कौन अपने को राज्य का अधिकारी समझता था? (02 अंक)
ix. पांडु की मृत्यु होने पर दुर्योधन को किस बात पर भय लगा ? (02 अंक)
x. पांडवों का स्वभाव कैसा था? (02 अंक)

04. निम्नलिखित पद्यांशों में से **किसी एक का** भावार्थ लिखिए। (20 अंक)

(क) हैं जनम लेते जगह में एक ही,
एक ही पौधा उन्हें है पालता।
रात में उन पर चमकता चाँद भी,
एक ही–सी चाँदनी है डालता।।

मेंह उन पर है बरसता एक–सा,
एक–सी उन पर हवाएँ हैं बहीं।
पर सदा ही यह दिखाता है समय,
ढंग उनके एक–से होते नहीं।।

छेदकर काँटा किसी की उँगलियाँ,
फाड़ देता है किसी का वर–वसन।
और प्यारी तितलियों के पर कतर,
भौंर का है बेध देता श्याम तन।।

खटकता है एक सब की आँख में,
दूसरा है सोहता सुर–सीस पर।
किस तरह कुल की बड़ाई काम दे,
जो किसी में हो बड़प्पन की कसर।।

(ख) खड़ा द्वार पर लाठी टेके
वह जीवन बूढ़ा पंजर,
चिमटी उसकी सिकुड़ी चमड़ी
हिलते हड्डी के ढाँचे पर।

उसका लंबा डील–डौल है,
हट्टी–कट्टी काठी चौड़ी;
इस खंडहर में बिजली–सी
उन्मत्त जवानी होगी दौड़ी

गर्मी के दिन, धरे उपरनी सिर,
लुंगी से ढाँपे तन,
नंगी देह भरी बालों से
वनमानुस–सा लगता वह जन।

भूखा है, पैसे पा, कुछ गुन–गुन,
खड़ा हो, जाता वह घर,
पिछले पैरों के बल उठ
जैसे कोई चल रहा जानवर।

05. सब्जियों की दुकान में दुकानदार और खरीदनेवाले के बीच में होनेवाला वार्तालाप लिखिए। (20 अंक)

******